... आदेशानुसार ...
दिनांक 15/4/25 को पेश हो।

15/4/25 पत्रावली आज पेश हुई। प्रार्थी व उनके वकील अनुपस्थित। मूल वाद का निस्तारण हो चुका है। मूल वाद का निस्तारण होने से प्रार्थना पत्र अलग से चलाये जाने का कोई औचित्य नहीं होने से मूल वाद के साथ-साथ प्रार्थना पत्र उस्तात्तर पर खारिज किया जाता है। पत्रावली नियम मुताबिक होकर दाखिल दफ्तर हो एवं नक[illegible] क्रय हो।

Signature Not Verified

Digitally signed by Kusumlata Chouhan
Date: 2025.04.21 10:39:13 IST
Reason: SelfAttested

[illegible] कलक्टर
[illegible] चौहान